7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 19 संस्करण : उत्तर प्रदेश | उत्तराखंड | हिमाचल | जम्मू-कश्मीर | दिल्ली | हरियाणा | पंजाब | चंडीगढ़

राजधानी •
वर्ष 15 | अंक 265 | पृष्ठ : 16
मूल्य : तीन रुपये

अमर उजाला

नई दिल्ली
मंगलवार, 2 जनवरी 2018

amarujala.com

जीरो प्वाइंट से आगरा तक की होगी ग्राउंड मैपिंग

यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़े हिस्सों के विकास की तैयारी, एनआईसी को सौंपा जिम्मा, दो माह में रिपोर्ट

अमर उजाला ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा।

ग्रेटर नोएडा से जाते समय यमुना एक्सप्रेसवे के जीरो प्वाइंट से आगरा तक की ग्राउंड मैपिंग शुरू हो गई है। इससे पता चल सकेगा, कि कहां पर क्या-क्या सुविधाएं विकसित होनी हैं। यमुना प्राधिकरण ने एनआईसी को यह जिम्मेदारी सौंपी है। एनआईसी को दो माह में रिपोर्ट देने को कहा गया है।

यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि यमुना एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ 15-15 किलोमीटर के क्षेत्रफल में कहां पर बिजली, पानी व सीवर की लाइन होगी, कहां पर पीएनजी और फाइवर केबल डाली जाएगी, जैसे तमाम प्लान बनाने हैं। इसी के लिए ग्राउंड मैपिंग कराई जा रही है, जिससे कि भविष्य में सेक्टर विकसित करते समय किसी तरह की दिक्कत न हो। सेक्टर का प्लान सही तरीके से नियोजित हो सकें। किसी तरह की खामी न रहे।

यमुना एक्सप्रसवे (फाइल फोटो)

यीडा बोर्ड बैठक 15 जनवरी को

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण की बोर्ड बैठक 15 जनवरी को होगी। इस बार की बोर्ड बैठक में जेवर एयरपोर्ट की जमीन अधिग्रहण का प्रस्ताव बोर्ड के समक्ष रखा जा सकता है। एयरपोर्ट की टेक्निकल फिजिबिलिटी रिपोर्ट भी बोर्ड से अप्रूव्ड हो सकती है। इसके अलावा यमुना प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र से हाथरस को बाहर करने पर विचार-विमर्श किया जा सकता है। प्राधिकरण का मानना है कि हाथरस को अधिसूचित क्षेत्र में रखने का कोई औचित्य नहीं दिख रहा। इसलिए इसे बाहर करने पर विचार-विमर्श हो रहा है। ब्यूरो

यमुना प्राधिकरण के क्षेत्र में आने वाले पांचों जिलों की जमीन का मैपिंग कराया जा रहा है। एनआईसी दो माह में रिपोर्ट दे देगी। उसी पर अमल करते हुए विकास कार्य होंगे।

- डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ, यमुना प्राधिकरण